राजकीय मीरा कन्या महाविद्यालय, उदयपुर

शिक्षक दक्षता संवर्धन कार्यक्रम

दिनांक 04.02.2020 से 05.02.2020

प्रतिवेदन

राजकीय मीरा कन्या महाविद्यालय उदयपुर के तत्वावधान में दिनांक 04.02.2020 से 05.02.2020 तक दो दिवसीय शिक्षक दक्षता कार्यक्रम का आयोजन किया गया इस कार्यक्रम में संभाग स्तर के 33 नवनियुक्त सहायक आचार्यों ने भाग लिया।

दिनांक 04.02.2020 को उद्घाटन सत्र की अध्यक्षता महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. निधि श्रीवास्तव ने की तथा नवनियुक्त सहायक आचार्यों को अपने विद्यार्थियों के समक्ष एक कुशल मार्गदर्शक के रुप में प्रस्तुत होने का परामर्श दिया।प्रभारी डॉ. राकेश दशोरा ने कार्यक्रम के मुख्य उद्देश्य तथा कार्यक्रम की उपादेयता पर प्रकाश डालते हुए बताया कि राज्य सरकार व आयुक्तालय कॉलेज शिक्षा जयपुर के दिशा निर्देशानुसार नवनियुक्त सहायक आचार्यों को मेंटरिंग, नेतृत्व दक्षता, सेवा नियमों, लेखा नियमों, टीम बिल्डिंग एवं शोध विषयों पर जानकारी दी जाएगी। डॉ. वन्दना वर्मा ने दोनों दिवसों के कार्यक्रम की विस्तृत रुपरेखा प्रदान की। दिनांक 04.02.2020 को प्रथम तकनीकी सत्र में श्री पंकज जानी, सहायक लेखाधिकारी, राजकीय मीरा कन्या महाविद्यालय, उदयपुर ने लेखा एवं वित्त के विषय में विस्तृत जानकारी देते हुए राजस्थान उपापम नियम के विषय में बताया। द्वितीय तकनीकी सत्र में उन्होंने क्रय प्रक्रिया, स्टोर प्रोसीजर इत्यादि से सम्बन्धित नियमों के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी तथा प्रतिभागियों की शंकाओं और जिज्ञासाओं का समाधान भी किया। तृतीय तकनीकी सत्र में डॉ. मनोज छंगाणी सह आचार्य, रसायनषास्त्र ने महाविद्यालय में संचालित विभिन्न योजनाओं प्रतियोगिता दक्षता, प्रियदर्शिनी स्वर्णिम उड़ान योजना इत्यादि की जानकारी देते हुए 'सूचना का अधिकार' के बारे में बताया। चतुर्थ सत्र में डॉ. सुनील दत्त शुक्ला सह आचार्य प्राणीशास्त्र विभाग राजकीय मीरा कन्या महाविद्यालय, उदयपुर ने जेम पोर्टल एवं एस एस ओ आई डी के विषय में बताया तथा अपने महाविद्यालय में जेम पोर्टल से सम्बन्धित प्रतिभागियों के समक्ष उपस्थित हुईं समस्याओं का समाधान भी किया। पांचवें सत्र में डॉ. अम्बाराम लोहिया, सह आचार्य मनोविज्ञान विभाग ने अध्ययनरत विद्यार्थियों को मेंटरिंग विषय पर बताते हुए विद्यार्थियों की भावनात्मक, अध्ययन सम्बन्धी पारिवारिक सामस्याओं के निदान हेतु किस प्रकार परामर्श दिया जाए, इस समब्ध में प्रशिक्षण प्रदान किया तथा सहभागियों से सकारात्मक चर्चा कर उन्हें अपने महाविद्यालय में जाकर विद्यार्थियों की मेंटरिंग करने हेतु प्रेरित किया। छठे सत्र में ''ड्रीम ऑफ गोल्डन कॉलेज'' विषय पर समूह चर्चा में डॉ. राकेश दशोरा एवं डॉ. वन्दना वर्मा ने विषय प्रवर्तन करते हुए प्रतिभागियों से कहा कि एक आदर्श महाविद्यालय के बारे में आप क्या सोचते हैं? इस पर विस्तारपूर्वक चर्चा के दौरान श्रेष्ठ आधारभूत संरचना पर्याप्त मानव संसाधनों, श्रेष्ठ परम्पराओं से युक्त

महाविद्यालय की अवधारणा को समूह में साझा किया, साथ ही यह संकल्प भी लिया कि वे अपने महाविद्यालय को जिसमें वे पदस्थापित हैं उसे आदर्श रुप में विकसित करेंगे जिसका वे स्वप्न देखते आए हैं।

दिनांक 05.02.2020 को सातवें सत्र का प्रारम्भ ध्यान एवं योग से हुआ इस सत्र में डॉ. राकेश दशोरा ने बताया कि ध्यान एवं योग से नवनियुक्त संकाय सदस्यों का शारीरिक, मानसिक एवं आध्यात्मिक विकास होगा जिससे उनकी कार्य कुशलता बढ़ेगी अतः प्रतिदिन एक घंटा ध्यान एवं योग अवश्य करें। साथ ही उन्होंने प्रतिभागियों को ध्यान का अभ्यास भी करवाया। आठवें सत्र में डॉ. अजय चौधरी सह आचार्य मनोविज्ञान रा.मी.क.म.उ.ने क्लासरुम टीचिंग के इम्प्रोवाइजेशन के विषय में प्रतिभागियों को जानकारी दी। उन्होंने प्रभावशली शिक्षण की विभिन्न तकनीकें बताई तथा प्रायोगिक स्तर पर भी प्रतिभागियों को इन तकनीकों से अवगत कराया। साथ ही यह भी बताया कि नवीन टेक्नोलोजी से किस प्रकार शिक्षण को प्रभावोत्पादक बनाया जा सकता है। नवम सत्र में श्री के.के. व्यास AAO कोष कार्यालय उदयपुर ने राजस्थान सेवा नियमों की जानकारी देते हुए अवकाश, आचरण इत्यादि से सम्बन्धित नियमों के विषय में विस्तार से बताया। साथ ही प्रतिभागियों की विभिन्न जिज्ञासाओं का समाधान भी किया। दसवें सत्र में सुरेन्द्र छंगाणी डिप्टी डायरेक्टर पशुपालन विभाग उदयपुर ने कार्यालय प्रक्रिया के अन्तर्गत विभिन्न प्रकार के पत्र लेखन एवं नोटशीट लेखन की जानकारी दी, साथ यह भी बताया कि सीमित संसाधनों से अधिकतम आउटपुट किस प्रकार दिया जा सकता है। ग्यारहवां सत्र समूह चर्चा का रहा जिसमें डॉ. सरिता माथुर, सह आचार्य मनोविज्ञान विभाग रा.मी.क.म.उ ने कम्फर्ट जोन से वर्किंग जोन में शिफ्ट होने पर विकसित होने वाली दक्षता के विषय में बताया एवं इस विषय पर प्रतिभागियों से चर्चा की। चर्चा के उपरान्त नवनियुक्त संकाय सदस्यों ने बताया कि कम्फर्ट जोन से वर्किंग जोन में आने पर प्रतिदिन कुछ नया सीखने की इच्छा होती है जिससे अनजाना भय जो हमें सीखने से रोकता है वह अनजाना भय दूर होता है और व्यक्ति नई तकनीक से जुड़ता है और पूरी प्रक्रिया कार्यकुशल बनाती है। इस दो दिवसीय कार्यशाला के समापन सत्र की अध्यक्षता वरिष्ठ संकाय सदस्य डॉ. शशी सांचीहर ने की। उन्होंने प्रतिभागियों को बताया कि आयुक्तालय के आदेशों की अनुपालना में यह 'शिक्षक दक्षता संवर्धन कार्यक्रम' निश्चित रुप से नवनियुक्त शिक्षकों को प्रशिक्षित करने में सहायक सिद्ध होगा। इस प्रशिक्षण द्वारा वे अपने महाविद्यालय एवं विद्यार्थियों के उन्नयन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे तथा उच्च शिक्षा में अपना बहुमूल्य योगदान देने में सक्षम सिद्ध होंगे। इसी सत्र में दो प्रतिभागियों सुश्री पीनल जैन, सहायक आचार्य राजकीय महाविद्यालय मावली एवं श्री नाथूलाल गुर्जर, सहायक आचार्य चित्तौड़गढ़ ने कार्यक्रम के अनुभव सबके साथ साझा करते हुए बताया कि निश्चित रुप से यह प्रशिक्षण कार्यक्रम उनके सर्वांगीण विकास शैक्षणिक एवं प्रशासनिक दक्षता का संवर्धन करने वाला होगा।

स्कोर समरी

द्वितीय दिवस पर संकाय सदस्यों से कार्यक्रम मूल्यांकन हेतु फीड बैक फार्म भरवाए गए। जिसकी समरी इस प्रकार है–

क्र. स.	विवरण	सहभागियों की संख्या
1.	कार्यक्रम उद्देश्य में सफल	31
2.	कार्यक्रम संरचना	32
3.	भविष्य के लिये उपयोगिता	30
4.	कार्यक्रम पूर्णतया व्यावहारिक	26
5.	कार्यक्रम का समग्र मूल्यांकन	1. उत्कृष्ट–14 2. बहुत अच्छा–16
6.	तकनीकि सत्र I II III IV V VI VII VIII IX X XI	सत्रानुसार उत्कृष्ट 12 14 16 14 13 15 20 21 15 17 15

इस प्रकार राजकीय मीरा कन्या महाविद्यालय उदयपुर में आयोजित इस प्रशिक्षण कार्यक्रम के सार के रुप में यह तथ्य सामने आया कि यह कार्यक्रम नवनियुक्त सहायक आचार्यों के लिये उपयोगी, सम्प्रेषणीय तथा अध्ययन अध्यापन एवं महाविद्यालयों के कार्यों को सम्पन्न करने में सहायक सिद्ध होगा।

समन्वयक प्राचार्य